घर की शान बेटियां पिता का मान बेटियां लिरिक्स

घर की शान बेटियां,
पिता का मान बेटियां।

सदियो से में तरस रहा था,
जिसका था इंतजार,
इस जनम में आकर मिला,
मुझे बेटियो का प्यार,
वो घर की शान बेटिया,
पिता का मान बेटियां।bd।

तर्ज – स्वर्ग से सूंदर सपनो से।

रोशन है जिससे मेरे,
घर का हर कोना,
दुनिया की दौलत है ये,
यही चांदी सोना,
संकट में ये साथ निभाती,
हो चाहे मजबूर,
वो घर की शान बेटिया,
पिता का मान बेटियां।bd।

और क्या मैं मांगु भगवन,
इतना दिया है,
दो दो बेटियों से दामन,
मेरा भर दिया है,
'गायत्री' गम मेरे भुलाकर,
'अनन्या' करती प्यार,
वो घर की शान बेटिया,
पिता का मान बेटियां।bd।

सदियो से में तरस रहा था,
जिसका था इंतजार,
इस जनम में आकर मिला,
मुझे बेटियो का प्यार,
वो घर की शान बेटियां,
पिता का मान बेटियां।bd।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com